CAMBRIAN PUBLIC SCHOOL, KANKE ROAD, RANCHI

SYLLABUS 2021-2022

Class-8 **Sub-Sanskrit**

Prescribed Book -

1. सुकृतिका संस्कृत पाठ्यपुस्तक भाग 4 (कृति प्रकाशन)

TERM -1 (APRIL TO SEPTEMBER)

FIRST PERIODIC TEST

- **सुकृतिका संस्कृत पाठ्यपुस्तक**

  पाठ 1.जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

  पाठ 2. राष्ट्रनेत्री इन्दिरा गांधी

  पाठ 3. नीतिवचनानि

* **संस्कृत व्याकरण**

  * पुनरावृति

  - संयोजन-वियोजनम्
  - सन्धि- स्वरसन्धि (दीर्घ,गुण)
  - संख्या- 51-70
  - शब्दरूप - नर,लता
    सर्वनामशब्दरूप- अस्मद्, तत् (त्रिषु लिंगेषु)
  - धातुरूप- पठ्, गम्, अस् (पंचसु लकारेषु)

HALF YEARLY EXAM (SEPTEMBER)

- **सुकृतिका संस्कृत पाठ्यपुस्तक**

  पाठ 4. लोभो मूलमनर्थानाम्

  पाठ 5. प्रभातवेला (केवलं पठनार्थम्)

  पाठ 6. स्वामी विवेकानन्दः

  पाठ 7. धूर्तेषु नैव विश्वसेत्

  पाठ 8. सुभाषितावली

पाठ 9. विजयादशमी

* **संस्कृत व्याकरण**

- सन्धि- स्वरसन्धि (वृद्धि, यण्)
- संख्या- 51-70
- शब्दरूप- पितृ, कवि, नर,लता
  सर्वनामशब्दरूप- अस्मद्, तत् ,किम् (त्रिषु लिंगेषु)

- धातुरूप- पठ्, गम्, भू ,दृश (पंचसु लकारेषु)
  आत्मनेपदी धातु -सेव् (लट् लकार)

- अव्ययाः- च, अपि,एव, तदा,कुत्र,श्वः,ह्यः,बहिः
- प्रत्ययाः- क्त्वा,ल्यप्,तुमुन्
- समयाबोधनम्
- पत्र-लेखनम्
- पठित-अपठित अवबोधनम्
- चित्राधारित-वर्णनम्

TERM -2 (OCTOBER TO MARCH)

SECOND PERIODIC TEST

- **सुकृतिका संस्कृत पाठ्यपुस्तक**

  पाठ 10. 'ऋतुराज्ञी' वर्षर्तुः
  पाठ 11. दिल्लीनगरम्
  पाठ 12. परिश्रमैव समृद्धेः मूलम् (केवलं पठनार्थम्)
  पाठ 13. महाकविः कालिदासः

*** संस्कृत व्याकरण**

- संयोजन-वियोजनम्
- सन्धि- व्यंजनसन्धि (जश्त्व सन्धि,अनुस्वार सन्धि)
- संख्या- 71-100

- शब्दरूप - साधु ,नदी
  सर्वनामशब्दरूप -युष्मद्, एतत् (त्रिषु लिंगेषु)
- धातुरूप- स्था, पा,पठ् (पंचसु लकारेषु)

ANNUAL EXAM (FEBRUARY- MARCH)

* **सुकृतिका संस्कृत पाठ्यपुस्तक**

  पाठ 14. सुवचनानि
  पाठ 15. विज्ञानस्य चमत्कारः
  पाठ 16. कृपणः गूढधनः
  पाठ 17. समयस्य सदुपयोगः(केवलं पठनार्थम्)
  पाठ 19. मित्रयोः वार्तालापः (केवलं पठनार्थम्)
  पाठ 21. पितरं प्रति पत्रम्
  पाठ 22. सूक्तयः

* **संस्कृत व्याकरण**

  - सन्धि- विसर्गसन्धि(विसर्ग को श,ष,स, विसर्ग को र)
  - संख्या- 71-100
  - शब्दरूप- छात्र, साधु,नदी ,पितृ
    सर्वनामशब्दरूप- युष्मद्,एतत् ,किम् (त्रिषु लिंगेषु)
  - धातुरूप- पठ्, गम्, धाव्, कथ् (पंचसु लकारेषु)
    आत्मनेपदी धातु -सेव् (लट् लकार)
  - अव्ययाः- कदा,शीघ्रम्,विना, इतस्ततः,कुतः,उच्चैः,इदानीम्,तत्र
  - प्रत्यय- क्त , क्तवतु
  - समयाबोधनम्
  - पत्र-लेखनम्
  - पठित-अपठित अवबोधनम्
  - चित्राधारित-वर्णनम्